TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

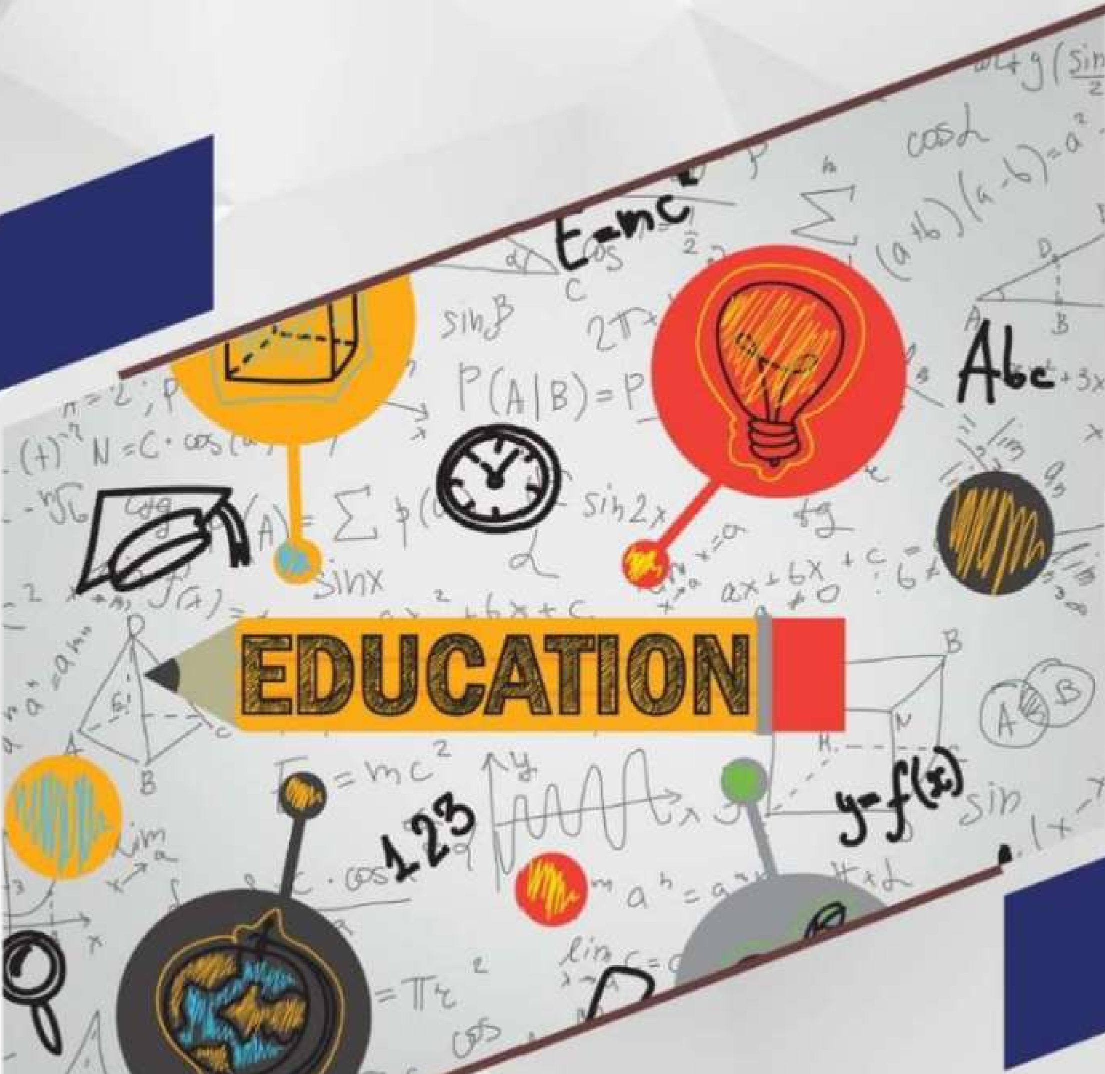

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

01 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सपनों से सफलता तक का रास्ता मौजूद है। बस आपके पास इसे खोजने की दृष्टि, इस पर चलने का साहस और इसे पाने की दृढ़ता होनी चाहिए।

कल्पना चावला

(अंतरिक्ष में जाने वाली प्रथम भारतीय महिला)

जन्म : 17 मार्च 1962 मृत्यु : 01 फरवरी 2003

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

1 फरवरी

मधु प्रिया

भारतीय तटरक्षक बल स्थापना दिवस 1 फरवरी

हमारे देश हिंदुस्तान में करीब 7500 किलोमीटर की समुद्री सीमाओं की रक्षा, राहत और बचाव कार्यों का दायित्व इंडियन कोस्ट गार्ड की होती है। दुनिया के सबसे बड़े तटरक्षक बल में शुमार भारतीय तटरक्षकों का काफी योगदान है। आईसीजी भारतीय सेना की एक शाखा है, जो भारतीय नौसेना से अलग है। यह समुद्री हितों की सुरक्षा करता है और यह निश्चित करता है कि समुद्र के नियमों का पालन सही तरीके से हो। इंडियन कोस्ट गार्ड विश्व में चौथा सबसे बड़ा कोस्ट गार्ड का स्थान रखता है।भारतीय तटों को सुरक्षित रखने और यह सुनिश्चित करने में एक बड़ी भूमिका निभाई है, कि लोग हिंदुस्तान की समुद्री क्षेत्रों में नियमों का पालन करें। इसका आदर्श वाक्य वयं रक्षाम: (हम रक्षा करते हैं)।1 फरवरी 1977 को भारत में एक अंतरिम तटरक्षक संगठन के गठन का निर्णय लिया गया। भारत के समुद्र में तस्करी की दिक्कतों से निपटने के उद्देश्य से केएफ रुस्तमजी की अध्यक्षता में साल 1974 में एक कमेटी बनाई गई । इस कमेटी ने भारत सरकार से एक ऐसा तटरक्षक संगठन बनाने की सफारिश की जो रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में रहकर नौसेना की तर्जपर देश में समुद्री गतिविधियों के लिए काम करे और शांतिकाल के वक्त देश की सुरक्षा में योगदान दे सके। 25 अगस्त 1976 को भारत का समुद्री क्षेत्र अधिनियम पारित किया गया । इस अधिनियम के दावे के बाद भारतीय मंत्रिमंडल ने 1 फरवरी 1977 को भारतीय अंतरिम तटरक्षक बल को संगठित करने का फैसला लिया । 18 अगस्त 1978 को भारतीय संघ के एक स्वतंत्र बल सेना के तौर पर तटरक्षक अधिन्यम, 1978 के तहत भारत की संसद द्वारा औपचारिक तौर पर भारतीय तटरक्षक बल का गठन किया गया। भारतीय तटरक्षक बल की स्थापना गैर सैन्य समुद्री सेवाओं को प्रदान करने के लिए भारत तटरक्षक के लिए शुरू की गई थी। भारतीय तटरक्षक बल भारत की समुद्री तटों और जहां तक हमारा क्षेत्र है, उसकी सुरक्षा के लिए हर वक्त चौकन्ने रहते हैं। इस बल का मैन टारगेट हिंदुस्तान की समुद्री अधिनियमों का पालन करवाना है। यह समुद्री मछुआरों की परेशानी हल करने के साथ संकट या आपदा के वक्त उनका बचाव करते हैं। भारतीय तटरक्षक बल के जांबाज समुद्री-तस्करी जैसी गतिविधियों को रोकते हैं और राष्ट्रके समुद्री क्षेत्र की रक्षा करते हैं। पिछले दो साल में बल ने करीब 4000 करोड़ रुपए के ड्रग्स और प्रतिबंधित पदार्थ को जब्त किया है। इसके काम अभी भी लगातार अपने देश के लिए जारी हैं। भारतीय तटरक्षक दिवस 1 फरवरी एक फरवरी 2023 को अपना 47वां स्थापना दिवस मना रहा है। दुनिया के चौथे सबसे बड़े तटरक्षक बल के रूप में, भारतीय बल ने तटों को सुरक्षित रखने और भारत के समुद्री क्षेत्रों में महत्वपूण रोल अदा किया है। भारत के तटरक्षक बल को 1 फरवरी 1977 को देश की संसद के तटसक्षक अधिनियम, 1978 द्वारा स्थापित किया गया था। यह रक्षा मंत्रालय के तहत काम करता है।

पुण्यतिथि विशेष 01 फरवरी

कल्पना चावला *Kalpana Chawla*, जन्म- 17 मार्च, 1962; मृत्यु- 1 फ़रवरी, 2003) एक भारतीय अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और अंतरिक्ष शटल मिशन विशेषज्ञ थी। वे कोलंबिया अन्तरिक्ष यान आपदा में मारे गए सात यात्री दल सदस्यों में से एक थीं।

TOB खेल कॉर्नर

भारत के खिलाफ T20I में न्यूजीलैंड के सबसे तेज अर्धशतक

प्लेयर्स	वेन्यू	साल
केन विलियमसन	ऑकलैंड	2020
रॉस टेलर	ऑकलैंड	2020
टिम साइफर्ट	विशाखापट्नम	2026

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **01.02.2026**

प्रगतिशील शिक्षा

प्रगतिशील शिक्षा **(Progressive Education)** एक बाल-केंद्रित **(child-centered)** दृष्टिकोण है जो 'करके सीखने' **(learning by doing),** अनुभवात्मक अधिगम और समूह कार्यों पर जोर देता है। यह जॉन डेवी के विचारों पर आधारित है, जो रटने के बजाय समस्या समाधान, रचनात्मकता और सामाजिक कौशल विकास के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास को महत्व देती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

दुनिया की सबसे छोटी **हवाई यात्रा** मात्र 90 सेकंड में पूरी हो जाती है। यह उड़ान इतनी छोटी है कि **केबिन क्रू** के सुरक्षा निर्देश खत्म होने से पहले ही **विमान लैंड** हो जाता है।

"

एक अंकुर फूटकर बोला कि मैं हारा नहीं हूं
एक उल्का-पिंड हूं, तारा नहीं हूं
मृत्यु पर जीवन-विजय उद्घोष करता
मैं अमर ललकार हूं,चारा नहीं हूं।

शिवमंगल सिंह सुमन

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
कल्पना चावला
जन्म-17 मार्च 1962
मृत्यु - 1 फरवरी 2003
Madhu priya
Madhu priya
/teachersofbihar

पुण्यतिथि विशेष

1 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सितारे हमारे किस्मत को पकड़कर नहीं रखते
बल्कि हम उसे बांध कर रखते है।

- कल्पना चावला

(अतरिक्ष में जाने वाली प्रथम भारतीय महिला)

(17 मार्च 1962 - 1 फरवरी 2003)

Vishwa Vijay Singh